ग्लोबल फार्मास्युटिकल क्वालिटी समिट में दुनिया के लिए भारत में गुणवत्तापूर्ण स्थायी फार्मास्युटिकल्स बनाने पर जोर दिया गया

संवाददाता (दिल्ली) इंडियन फार्मास्युटिकल अलायंस (आईपीए) द्वारा आयोजित दो-दिवसीय ग्लोबल फार्मास्युटिकल क्वालिटी समिट 2022 का बीती रात सफल समापन हुआ। इस आयोजन में उद्योग के नेतृत्वकर्ताओं और परितंत्र के विनियामकों ने परिचालन, टीकों के विकास और स्थायित्व में उत्कृष्टता एवं गुणवत्ता अर्जित करने पर विचार-विमर्श किया। विभिन्न उद्योगों के नेतृत्वकर्ताओं ने फार्मास्युटिकल उद्योग के लिये नवाचार, टेक्नोलॉजी और संभावित सिखाओं पर अपने विचार भी साझा किये। इस दिन का मुख्य आकर्षण था 'एक सिरे से दूसरे सिरे तक स्थायित्वपूर्ण परिचालन एवं गुणवत्ता में उत्कृष्टता- आगे का मार्ग' विषय पर पैनल चर्चा, जिसमें भारत की अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनियों के सीईओ ने भाग लिया, जैसे सिप्ला, डॉ. रेड्डीज, ल्यूपिन, सन फार्मा, टोरेंट और ज़ाइडस। सत्र का संचालन मैकिंसी एंड कंपनी के सीनियर पार्टनर गौतम कुमरा ने किया था। बायोसिमिलर्स जैसे नये क्षत्रों पर अपने विचार रखते हुए, सिप्ला के सीईओ श्री उमंग वोहरा ने कहा, हमने जेनेरिक्स के लिये आंतरिक आधार पर अपनी तकनीकें विकसित की हैं और अब हमें उनके साथ मिलकर काम करना है, जो ऐसा पहले ही कर चुके हैं और फिर इसका फायदा उठाना है। कुछ तकनीकों के लिये जो प्रतिभा चाहिये, वह भारत में मौजूद नहीं है, इसलिये वैश्विक भागीदारों के साथ मिलकर काम करने से यह समस्या दूर करने में मदद मिलेगी। डिजिटाइजेशन के सफर की चुनौतियों के बारे में डॉ. रेड्डीज के को-चेयरमैन श्री जी वी प्रसाद ने कहा, डिजिटलाइजेशन को रोका नहीं जा सकता, लेकिन डिजिटाइज करने में अब भी एक चुनौती है, क्योंकि डिजिटाइजेशन की प्रक्रिया के प्रभाव को बढ़ाने के लिये मौलिक प्रक्रियाओं की दक्षता और समझ चाहिये। उद्योग के नेतृत्वकर्ताओं को ज्यादा कुशल होना होगा, डाटा के आधार पर नेतृत्व के फैसले करने होंगे, जिसमें विज्ञान के साथ आम समझ भी हो। गुणवत्ता पर अपना विचार स्पष्ट करते हुए, ल्यूपिन के प्रबंध निदेशक श्री नीलेश गुप्ता ने कहा, गुणवत्ता और अनुपालन का मुद्दा कंपनी के लिये अपना होता है और इस तरह के फोरम्स ने हमें बदलाव किया है, जिन्होंने हमें साझा लक्ष्य की दिशा में काम करने की अनुमति दी है। सूचना साझा करना एक बड़ा सहयोग-तंत्र रहा है। हम दुनिया की फार्मेसी के रूप में जाने गये हैं और यह स्थिति पाना हमारा सौभाग्य है। खुले संवाद को बढ़ावा देने वाले ऐसे फोरम्स की सहायता से हम अगले 5 वर्षों में श्रेणी में सबसे बेहतर के रूप में जाने जाएंगे, जो बहुत अच्छी बात है। कोविड-19 के दौरान आपूर्ति श्रृंखला में आई गंभीर बाधा पर अपनी बात रखते हुए सन फार्मास्युटिकल के प्रबंध निदेशक श्री दिलीप सांघवी ने लचीलता की क्षमता निर्मित करने पर कहा, मदद पाने के लिये विकल्प निर्मित करना महत्वपूर्ण है। सरकार की पीएलआई स्कीमें एक आत्मनिर्भर आपूर्ति श्रृंखला बनाने में सहायता कर रही हैं और उन्होंने महामारी के दौरान सक्षम आपूर्ति में मदद की थी। फिर भी हमें अभी एक लंबी दूरी तय करनी है और धीरे-धीरे हम कमी को पूरा कर लेंगे।

उद्योग में परिचालन एवं गुणवत्ता के सबसे बड़े प्रचलनों के बारे में ज़ाइडस लाइफसाइंसेस के चेयरमैन श्री पंकज पटेल ने कहा, कोविड-19 ने हमारा ध्यान तकनीक और ऑटोमेशन पर केन्द्रित किया है और विनिर्माण तथा आपूर्ति श्रृंखला में हमारे डिजिटल प्रवेश का आरंभ किया है। एआई के मामले में भी, विनिर्माण के लिये नई तकनीकें भी उभरी हैं और बायोसिमिलर के बाजार में प्रवेश पर विचार किया जा सकता है। इसके बाद पैनल ने पर्यावरणीय, सामाजिक एवं कॉर्पोरेट संचालन पर चर्चा की। इससे पहले, एक विशेष सम्बोधन में डब्ल्यूएचओ के रेगुलेशन एंड प्रीक्वालिफिकेशन डिपार्टमेंट के डायरेक्टर डॉ. रोजेरियो गैस्पर ने फार्मास्युटिकल परिचालन एवं गुणवत्ता का भविष्य'' विषय पर बात की। टीकों का विकास टीकों के विनिर्माण में डिजाइन से लेकर आपूर्ति'' विषय पर पैनल चर्चा को डॉ. निवेदिता गुप्ता, साइंटिस्ट एफ एवं हेड, वायरोलॉजी यूनिट, आईसीएमआर ने सम्बोधित किया और इसमें डॉ. कपिल मैथल, प्रेसिडेंट, वैक्सीन्स एंड डायग्नोस्टिक्स, ज़ाइडस और डॉ. संजय सिंह, सीईओ, जेनोवा बायोफार्मास्युटिकल्स ने भाग लिया। इसका संचालन श्री शिरीष बेलापुरे, सीनियर टेक्निकल एडवाइजर, आईपीए ने किया था। एक अन्य पैनल चर्चा विभिन्न उद्योगों में गुणवत्ता उत्कृष्टता एवं फार्मास्युटिकल्स के लिये संभावित सिखाएं'' विषय पर हुई, जिसे क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया के चेयरमैन श्री आदिल जैनुलभाई ने सम्बोधित किया और जिसमें डॉ. रंजना पाठक, प्रेसिडेंट, ग्लोबल क्वालिटी, मेडिकल अफेयर्स एवं फार्माकोविजिलेंस, सिप्ला, श्री नंदकुमार कुलकर्णी, सीनियर डायरेक्टर, इंटीग्रेटेड सप्लाय चेन, मोंडेलेज़ और श्री विजय कलरा, हेड, महिन्द्रा इंस्टिट्यूट ऑफ क्वालिटी एवं चेयरमैन, सेंट्रल सेफ्टी काउंसिल फॉर महिन्द्रा ग्रुप ने भाग लिया। मैकिंसी एंड कंपनी में पार्टनर श्री नवीन उन्नी ने परिचालन में स्थायित्व'' विषय पर एक सत्र का संचालन किया। आयोजन का अंतिम सत्र फार्मास्युटिकल गुणवत्ता एवं परिचालन में सबसे नई प्रौद्योगिकी उन्नतियों के डीएनए मेडली'' विषय पर था, जिसमें डॉ. राजेश कुप्पुस्वामी, हेल्थ साइंसेस इंडस्ट्री एडवाइजर, एसएपी, सुश्री ललिता सुरभि, एसोसिएट वीपी, स्ट्रेटजी एंड बिजनेस डेवलपमेंट, वैलिथर और श्री सैमुएल रैमसन, हेड, फार्मास्युटिकल्स एंड लाइफ साइंसेस वर्टिकल, सीमेन्स ने भाग लिया। इसका संचालन डॉ. नवनीत तेवतिया, एसोसिएट सेक्रेटरी जनरल, आईपीए ने किया था। आयोजन का समापन श्री नीलेश गुप्ता की समापन टिप्पणियों और श्री शिरीष बेलापुरे के धन्यवाद भाषण से हुआ।